Roll No.: | | | | | | | | | | | Date: | | | | | | |

NORTHWEST ACCREDITATION COMMISSION, USA
GRADE 10TH 2017-2018

Subject- HINDI **Question Paper No. :** H N 1 9

Subject Code : HIN208 **Question Paper Code:** H I 0 9

Total Time: 03.00 Hours. **Total Marks: 100**

GENERAL INSTRUCTIONS

1. OPENING AND CHECKING OF THE QUESTION-BOOKLET

Break open the seal of the Question-Booklet only when the announcement is made by the Invigilator. After breaking the seal and before attempting the questions, student should immediately check for:

a) The number of the printed page in the Question-Booklet is the same as mentioned on the cover page of the Booklet and

b) Any printing error in the Booklet pages, if any.

Any discrepancy or error should be brought to the notice of the Invigilator who will then replace the Booklet. No additional time will be given for this.

2. No student, without the permission of the Superintendent or the Invigilator concerned, is to leave his/ her seat or the Examination Room.

3. FILLING UP THE REQUIRED INFORMATION ON QUESTION-BOOKLET AND ANSWER SHEET

After breaking open the seal and checking the Booklet, student should:

a) Fill up the **Question Paper No.** and **Question Paper Code** (mentioned on the cover of Question-Booklet) in the space provided on the First Answer Sheet.

b) Fill up his/her Roll Number on the First Answer Sheet and on each Supplementary Answer Sheet, if taken.

c) Student should mention the total number of **Supplementary Answer Sheet**, if taken, in the space provided on the First Answer Sheet and also fill up the Serial Number mentioned on each **Supplementary Answer Sheet** along with his/her Roll Number in the register maintained by the Invigilator. Student must tie all the Answer Sheets with the thread provided by the Invigilator.

4. INSTRUCTIONS ABOUT QUESTION PAPER

This Question Paper is divided into three Sections – A, B and C. All Sections are compulsory. Attempt all Sections as per instructions.

a) Section A is a Reading section includes question No. 1 and 2 and this section includes 20 marks.

b) Section B is a Writing section includes question No. 3 to 8 and this section includes 30 marks.

c) Section C is a Text Book section includes question No. 9 to 16 and this section includes 50 marks.

5. Student found in possession of Cellular Phone / Mobile Phone / Pager or any other Communication Device and/or any Book/Note whether using or not, will be liable to be debarred for taking examination(s) either permanently or for specified period or/and dealt with as per law or/and ordinance of the School/SERI according to the nature of offence, or/and he/she may be proceeded against and shall be liable for prosecution under the relevant provision of the Statutory Law.

THE ANSWER SHEET IS TO BE RETURNED ON COMPLETION OF THE TEST

This Question Paper **MUST** be attached with Answer Sheet

Sample Paper

P.T.O.

खंड "क"

प्रश्न 1 नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानूपर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह संतोष और गर्व की बात है कि देश आद्यौगिक और वैज्ञानिक क्षेत्र में आशातीत सफलता प्राप्त कर रहा है। विश्व के समृद्ध अर्थव्यवस्था वाले देशों से टककर ले रहा है और उनसे आगे निकल जाना चाहता है। किंतु इस प्रगति के उजले पहलू के साथ एक धूँधला पहलू भी है जिससे हम छुटकारा पाना चाहते हैं। वह है नैतिकता का पहलू। यदि हमारे हृदय में सत्य अहिंसा, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय भावनाएँ नहीं है, देश के मान सम्मान का ध्यान नहीं है तो सारी प्रगति निरर्थक होगी। आज यह आम धारणा है कि बिना हथेली गर्म किए कुछ भी काम संभव नहीं है। भ्रष्ट अधिकारियों और भ्रष्ट जनसेवकों ने अपना घर भरने की होड़ लगा रखी है। उन्हें न समाज की चिंता है न देश की। समाचार पत्रों में अब यह रोजमर्रा की घटनाएँ हो गई हैं। नैतिकता मरी नहीं है अनैतिकता का प्रचार हो रहा है। सबसे पहले तो इस सोच से मुक्ति पाना जरूरी है, और उसके बाद यह संकल्प लेने की जरूरत है कि भ्रष्टाचार से मुक्त समाज बनाएँगे।

प्रश्न –

(क) देशवासियों के लिए क्या गर्व की बात है? **2 अंक**

(ख) देश की आशातीत प्रगति से जुड़ा धुँधला पक्ष क्या है? **2 अंक**

(ग) नैतिक चरित्र से लेखक का क्या आशय है? **2 अंक**

(घ) देश की प्रगति कब निरर्थक हो सकती है? **2 अंक**

(ड) समाज में अनैतिक पहलू से मुक्ति कैसे पा सकते हैं। **2 अंक**

(च) नैतिकता अभी मरी नहीं – पक्ष या विपक्ष में अपने विचार (40–50 शब्दों में) लिखो। **2 अंक**

प्रश्न 2 **दिए गए काव्यांशा को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –**

सागर के उर पर नाच – नाच करती हैं लहरें मधुरगान
जगती के मन को खींच – खींच
निज छवि के रस से सींच – सींच
जल कन्याएँ भोली अजान,

सागर के उर पर नाच – नाच करती हैं लहरें मधुरगान
प्रात : समीर से हो अधीर,
छूकर पल – पल उल्लसित तीर,
कुसुमावलि – सी पुलकित महान,

सागर के उर पर नाच–नाच करती हैं लहरें मधुरगान
संध्या–से पाकर रूचि रंग
करती–सी शत सुर–चाप भंग
हिलती नव तरू–दल के समान,

Sample Paper

सागर के उर पर नाच–नाच करती हैं लहरें मधुरगान
करतल–गत कर नभ की विभूति,
पाकर शशि से सुषमानुभूति
तारावलि–सी मृदु दीप्तिमान,

सागर के उर पर नाच–नाच करती हैं लहरें मधुरगान
तन पर शोभित नीला दुकूल
हैं छिपे हृदय में भाव फूल
आकर्षित करती हुई ध्यान,

सागर के उर पर नाच–नाच करती हैं लहरें मधुरगान
हैं कभी मुदित, हैं कभी खिन्न,
हैं कभी मिली, हैं कभी भिन्न,
हैं एक सूत्र में बंधे प्राण
सागर के उर पर नाच–नाच करती हैं लहरें मधुरगान

(क) इस कविता में लहरों को किस–किस रूप में चित्रित किया गया है? किन्हीं दो रूपों का उल्लेख कीजिए। **1 अंक**

(ख) 'करती–सी शत सुरचाप भंग'–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **1 अंक**

(ग) सागर–लहरें किस प्रकार लोगों के मन को अपनी ओर खींचती हैं, **1 अंक**

(घ) प्रात : काल में लहरों का सौंदर्य कैसा होता हैं? **1 अंक**

(ड) कवि ने किन पंक्तियों में लहरों को युवती के रूप में चित्रित किया है उन्हें छाँटकर लिखिए। **1 अंक**

(च) आपको लहरों का कौन सा रूप सबसे सुंदर लगा। उसे अपने शब्दों में लिखिए। **1 अंक**

(छ) हैं एक सूत्र में बँधे प्राण' – इस पंक्ति से कवि ने क्या संदेश दिया है? **2 अंक**

Sample Paper

खंड – "ख"

प्रश्न 3 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें –** **10 अंक**

(क) पेड़ो का महत्व

- प्रकृति की सन्तान
- पर्यावरण
- हमारा कर्त्तवय

(ख) महानगरों में आवास की समस्या

- महानगर
- समस्या क्यों
- समाधान

(ख) इंटरनैट का प्रभाव

- इंटरनैट–क्या है
- मानव मन पर प्रभाव
- सदुपयोग

प्रश्न 4 **पत्र–लेखन** **5 अंक**

अपने क्षेत्र में जल–भराव की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

अथवा

'सामाजिक सेवा कार्यक्रम' के अन्तर्गत किसी ग्राम में सफाई अभियान के अनुभवों का उल्लेख करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

प्रश्न 5 **निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया छाँटकर उनके भेद लिखिए –** **4 अंक**

(क) लक्ष्य पुस्तक पढ़ता हें।

(ख) मैंने पुस्तक खरीद ली।

(ग) आशीर्वाद सोता है।

(घ) विभा गा रही है।

प्रश्न 6 **निर्देशानुसार वाक्य बदलिए –** **3 अंक**

(क) तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ। (मिश्रवाक्य में)

(ख) बच्चे ने खाना खाया और सो गया। (सरलवाक्य में)

(ग) मैंने पाठ पढ़ा था। (रचना के आधार पर वाक्य भेद)

प्रश्न 7 **निम्नांकित पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर अलंकारों के नाम लिखिए –** **4 अंक**

(क) आए महंत वसंत।

(ख) घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

(ग) भूली – सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण – छाया मन छूना।

(घ) 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

प्रश्न 8 **निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए –** **4 अंक**

(क) कूजन कुंज में आसपास के पक्षी संगीत का आभ्यास करते हैं। (कर्मवाच्य में)

(ख) श्यामा द्वारा सुबह– दोपहर के राग बखूबी गाए जाते हैं। (कर्तृवाच्य में)

(ग) दर्द के कारण वह चल नहीं सकती। (भाववाच्य में)

(घ) श्यामा के गीत की तुलना बुलबुल के सुगम संगीत से की जाती है। (कर्मवाच्य में)

Sample Paper

खंड – "ग"

प्रश्न 9 **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन देखि मरि जाहीं।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहूँ पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने कोमल स्वर में परशुराम पर क्या – क्या कहकर व्यंग्य किया है? **2 अंक**

(ख) किस कारण से लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहें है? **2 अंक**

(ग) लक्ष्मण के कुल में किन –किन पर वीरता नहीं दिखाई जाती और क्यों? **2 अंक**

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

(क) दंतुरित मुसकान से क्या तात्पर्य है? **2 अंक**

(ख) कवि ने अपने को प्रवासी, इतर और अतिथि क्यों कहा है? **2 अंक**

(ग) कवि को बच्चे की मुसकान सबसे सुंदर कब लगती है? **2 अंक**

प्रश्न 10 **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** **3x3 = 9 अंक**

(क) क्या आप सूरदास के समान उद्धव को भाग्यशाली मानते हैं या नहीं, अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर सही तर्क देकर स्पष्ट करें?

Sample Paper

(ख) 'अट नहीं रही' कविता के आधार पर फागुन के सौंदर्य का चित्रण कीजिए जिसके आधार पर उसे अन्य ऋतुओं से भिन्न समझा जाता है।

(ग) कवि गिरिजाकुमार माथुर ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

(घ) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?

प्रश्न 11 **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5 अंक**

लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।
अपने मुख तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु रानी।।
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(क) प्रस्तुत पंक्तियों में किस रस की अनुभूति होती है?

(ख) इस काव्यांश में कौन – कौन से छंदो का प्रयोग हुआ है?

(ग) इस काव्यांश से अनुप्रास अलंकार छाँटकर लिखिए।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसे संबोधित कर रहा है?

(ड) यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?

अथवा

मधुर गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत–नीलिमा में असंख्य जीवन–इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य–मलिन उपहास
तब भी कहते हो–कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे,देखोगे– यह गागर रीति।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में मधुप किसका प्रतीक है?

(ख) प्रस्तुत काव्यांश किस युग की रचना है?

(ग) काव्यांश किस शैली में रचा गया है?

(घ) प्रस्तुत काव्यांश से अलंकार छाँटकर लिखिए तथा नाम भी बताइए।

(ड) काव्यांश की भाषा लिखिए।

Sample Paper

प्रश्न 12 **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** **6 अंक**

शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरु कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात की अनुमति नहीं देता था कि वे कम–से–कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकाक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती – थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(क) प्रस्तुत अवतरण में किसके व्यक्तित्व की बात की जा रही है? क्या कारण थे जिनसे उस व्यक्तित्व की विशेषताएँ कम होती गई?

(ख) माँ क्यों काँपती–थरथराती रहती थी?

(ग) 'आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले ..... उसकी चपेट में आते ही रहते।'
उपर्युक्त पंक्ति का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सोचा आज वहाँ रूकेंगे नहीं, पान भीं नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखगें भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रूकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे। लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको। जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे। रास्ता चले लोग देखने लगे। जीप रूकते न रूकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज–तेज कदमों से मूर्ति की तरफ लपके और उसके ठीक सामने अटेंशन में खड़े हो गए। मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा–सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी–सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।

(क) हालदार साहब रूकना क्यों नहीं चाहते थे?

(ख) क्या देखकर हालदार साहब चीखें और क्यों?

(ग) पंक्तियों के आधार पर हालदार साहब की दो विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 13 **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **3x3 = 9 अंक**

(क) बालगोबिन भगत का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

(ख) चौराहों पर लगी हुई महापुरूषों की मूर्तियों के प्रति जनता का क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए?

(ग) कवि गिरिजाकुमार माथुर ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

(घ) जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है।

Sample Paper

प्रश्न 14 (क) लेखिका मन्नू भंडारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी? किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख कीजिए। **3 अंक**

(ख) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताइए कि कैसे आदमियों पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए और क्यों? **2 अंक**

प्रश्न 15 किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – **4 अंक**

(क) मैं क्यों लिखता हूँ? – पाठ के आधार पर बताइए कि – हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरूपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरूपयोग कहाँ–कहाँ और किस तरह से हो रहा है? आप इसे रोकने के लिए क्या –क्या कर सकते है?

(ख) 'और देखते ही देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा' – नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या–क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के संदर्भ में अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न 16 **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2x3 = 6 अंक**

(क) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए किसकी चर्चा की?

(ख) फेंकू ने साड़ी न ला सकने की क्या मजबूरी बताई?

(ग) माता का अँचल' पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ में इसकी क्या वजह हो सकती है?

(घ) कवि देव ने चाँदनी रात की सुंदरता को किन – किन रूपों में देखा है?

Sample Paper

प्रश्न पत्र समाप्त